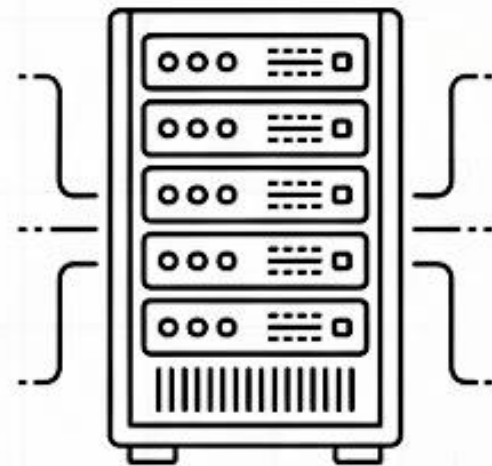




DATA ENTRY OPERATIONS (336)

CHAPTERWISE NOTES



DATA ENTRY OPERATIONS

Sl. No.	Chapters (Public Examination)	Marks
1	L-1: Basics of Computer	9
2	L-4: Formatting of Documents	12
3	L-10: Internet	7

Component	Details	Marks
Public Exam (Selected Lesson 1,4,10)	Total Chapters : 3	28
Practical Exam	Practical	60
TMA	Tutor Marked Assignment	12
Final Possible Marks		100
		Marks

विषय- सूची

1	कम्प्यूटर के मूलभूत तथ्य
2	दस्तावेजों की फॉर्मेटिंग करना
3	इंटरनेट का परिचय

1

कम्प्यूटर के मूलभूत तथ्य

परिचय

इस पाठ में कम्प्यूटर सिस्टम की मूलभूत संरचना, उसके भाग, कार्य एवं सॉफ्टवेयर के प्रकारों का अध्ययन किया जाता है। कम्प्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर मिलकर कार्य करते हैं। इस अध्याय में कम्प्यूटर की संरचना, इनपुट-आउटपुट उपकरण, मेमोरी, सॉफ्टवेयर तथा कम्प्यूटर भाषाओं का वर्णन किया गया है।

कम्प्यूटर क्या है?

- कम्प्यूटर एक उपकरण है जो **डेटा** को अर्थपूर्ण जानकारी में बदलता है।
- यह डेटा को स्वीकार, संग्रह, संसाधित और पुनः प्राप्त कर सकता है।
- मुख्य विशेषताएँ – **उच्च गति, शुद्धता, भंडारण क्षमता, बहुआयामी कार्य।**

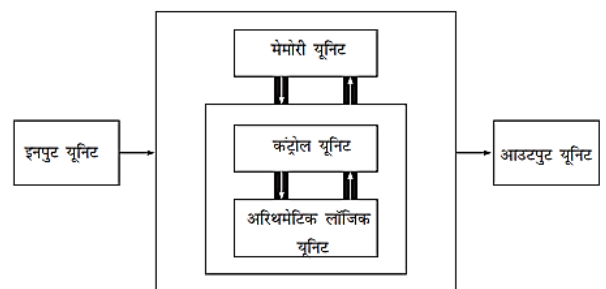
कम्प्यूटर की संरचना

कम्प्यूटर के पाँच मूल कार्य:

- **इनपुट** – डेटा/निर्देश प्रविष्ट करना
- **भंडारण (Memory)** – डेटा संग्रह करना
- **संसाधन (Processing)** – डेटा को प्रोसेस करना
- **आउटपुट** – परिणाम प्रदर्शित करना
- **नियंत्रण (Control)** – सभी क्रियाओं का नियंत्रण

इकाइयाँ:

- **इनपुट यूनिट** – डेटा स्वीकार करती है
- **कंट्रोल यूनिट (CU)** – सभी कार्यों को नियंत्रित करती है
- **मेमोरी यूनिट** – डेटा संग्रह करती है
- **अर्थमेटिक लॉजिक यूनिट (ALU)** – जोड़, घटाव, गुणा, भाग, तुलना



- आउटपुट यूनिट – परिणाम प्रस्तुत करती है
- CPU (Central Processing Unit) = ALU + CU

परिधीय उपकरण (Peripheral Devices)

- इनपुट उपकरण
- आउटपुट उपकरण
- अन्य परिधीय उपकरण

इनपुट उपकरण

- कीबोर्ड
- माउस
- लाइट पेन
- ऑप्टिकल स्कैनर
- टच स्क्रीन
- माइक्रोफोन
- ट्रैक बॉल



कीबोर्ड

- सबसे सामान्य इनपुट उपकरण
- QWERTY कीबोर्ड अधिक प्रचलित
- सामान्यतः 104 कुंजियाँ



माउस

- हाथ से चलने वाला उपकरण
- Point and Click क्रिया
- मेनू चयन, आइकन स्थानांतरण



लाइट पेन

- प्रकाश संवेदनशील उपकरण
- स्क्रीन पर ऑब्जेक्ट चयन हेतु



ऑप्टिकल स्कैनर

- छवि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में बदलता है
- **OCR (Optical Character Recognition)** – स्कैन की गई छवि को टेक्स्ट में बदलना

टच स्क्रीन

- स्क्रीन को छूकर इनपुट देना
- कीबोर्ड का विकल्प

माइक्रोफोन

- ध्वनि इनपुट उपकरण
- दो प्रकार – डेस्कटॉप, हैंड हेल्ड



ट्रैक बॉल

- उल्टे माउस जैसा उपकरण
- कम स्थान में उपयोगी

आउटपुट उपकरण

- मॉनिटर
- प्रिंटर
- प्लॉटर
- स्पीकर



मॉनिटर

- प्रमुख आउटपुट उपकरण
- प्रकार:



- CRT (Cathode Ray Tube)
- LCD (Liquid Crystal Display)
- रिजॉल्यूशन – 800×600, 1024×768 आदि

प्रिंटर

प्रकार:

- लेजर प्रिंटर – उच्च गुणवत्ता, तेज
- इंकजेट प्रिंटर – स्याही द्वारा छपाई
- डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर – कम गुणवत्ता, अधिक शोर
- लाइन प्रिंटर – उच्च गति, बड़े कंप्यूटर में उपयोग



प्लॉटर

- बड़े चित्र/डिजाइन बनाने हेतु
- प्रकार:
 - फ्लैट बेड प्लॉटर
 - ड्रम प्लॉटर



स्पीकर

ध्वनि आउटपुट उपकरण

कंप्यूटर में मेमोरी सिस्टम

- दो प्रकार:
 - प्राथमिक मेमोरी (Primary Memory) – RAM
 - द्वितीयक मेमोरी (Secondary Memory) – CD-ROM, Pen Drive
- प्राथमिक मेमोरी तेज होती है
- कंप्यूटर बंद होने पर डेटा नष्ट हो जाता है



सॉफ्टवेयर

- निर्देशों का समूह
- हार्डवेयर को कार्य करने हेतु निर्देश देता है

वर्गीकरण:

- सिस्टम सॉफ्टवेयर
- एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर



सिस्टम सॉफ्टवेयर

- कंप्यूटर संचालन हेतु
- उदाहरण: **Operating System (OS)**
- लोकप्रिय OS – Windows, Unix, Linux

यूटिलिटी (Utilities)

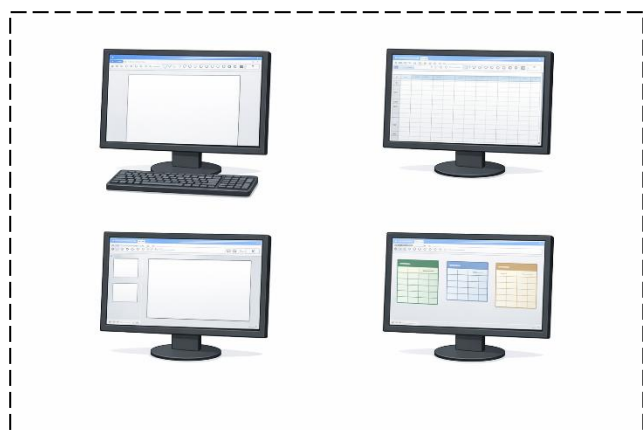
- एंटीवायरस
- फाइल कम्प्रेसन
- फाइल प्रबंधन

एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर

विशेष कार्य हेतु

प्रकार:

- **Generalized Package**
 - वर्ड प्रोसेसिंग
 - स्प्रेडशीट
 - प्रेजेंटेशन
 - डेटाबेस



- **Customized Package**

- पेरोल
- इन्वेंटरी कंट्रोल
- स्टूडेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम

कंप्यूटर की भाषाएँ

1- लो लेवल लैंग्वेज

- मशीन लैंग्वेज – 0 और 1 पर आधारित
- असेम्बली लैंग्वेज – निमोनिक्स (Mnemonics) का उपयोग

2- High Level Language

- समझने में आसान
- मशीन पर निर्भर नहीं

उदाहरण:

- **BASIC:** एक सरल और शुरुआती स्तर की हाई लेवल प्रोग्रामिंग भाषा है, जिसे सीखना आसान है।
- **COBOL:** व्यावसायिक और व्यापारिक अनुप्रयोगों के लिए विकसित की गई हाई लेवल भाषा है।
- **FORTRAN:** वैज्ञानिक और गणितीय गणनाओं के लिए बनाई गई प्रोग्रामिंग भाषा है।
- **C :** एक संरचित (Structured) प्रोग्रामिंग भाषा है, जिसका उपयोग सिस्टम और एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर बनाने में होता है।
- **C++ :** एक ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग भाषा है, जो C भाषा का उन्नत रूप है।

कम्पाइलर और असेम्बलर

- **कम्पाइलर** – हाई लेवल भाषा को मशीन भाषा में बदलता है
- **असेम्बलर** – असेम्बली भाषा को मशीन भाषा में बदलता है
- Source Program → Object Program



TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. कंप्यूटर के पाँच मूल कार्य लिखिए।

उत्तर- कंप्यूटर के पाँच मूल कार्य हैं – इनपुट, भंडारण, संसाधन, आउटपुट और नियंत्रण। ये सभी कार्य मिलकर कंप्यूटर को पूर्ण रूप से कार्य करने योग्य बनाते हैं।

प्रश्न-2. CPU क्या है?

उत्तर- CPU का पूर्ण रूप Central Processing Unit है। इसमें ALU और CU शामिल होते हैं। यह कंप्यूटर का मस्तिष्क है जो सभी गणनाएँ और नियंत्रण कार्य करता है।

प्रश्न-3. सिस्टम सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर में अंतर लिखिए।

उत्तर- सिस्टम सॉफ्टवेयर कंप्यूटर को चलाने और नियंत्रित करने का कार्य करता है, जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम। एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर विशेष कार्यों के लिए बनाया जाता है, जैसे वर्ड प्रोसेसिंग या स्प्रेडशीट।

प्रश्न-4. हाई लेवल और लो लेवल भाषा में अंतर बताइए।

उत्तर- लो लेवल भाषा मशीन पर आधारित होती है और समझना कठिन होता है। हाई लेवल भाषा सरल, उपयोगकर्ता के अनुकूल और मशीन पर निर्भर नहीं होती।

प्रश्न-5. प्रिंटर के प्रकार लिखिए।

उत्तर- प्रिंटर के मुख्य प्रकार हैं – लेजर प्रिंटर, इंकजेट प्रिंटर, डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर और लाइन प्रिंटर। इनकी गति, गुणवत्ता और उपयोग अलग-अलग होते हैं।



2

दस्तावेजों की फॉर्मेटिंग करना

परिचय

इस अध्याय में दस्तावेज में टेक्स्ट टाइप करना, संपादित करना, फॉर्मेट करना, कॉपी-कट करना तथा पेज सेटिंग करना सिखाया गया है। Word 2007 की सहायता से टेक्स्ट को आकर्षक एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सकता है।

टेक्स्ट के साथ काम करना

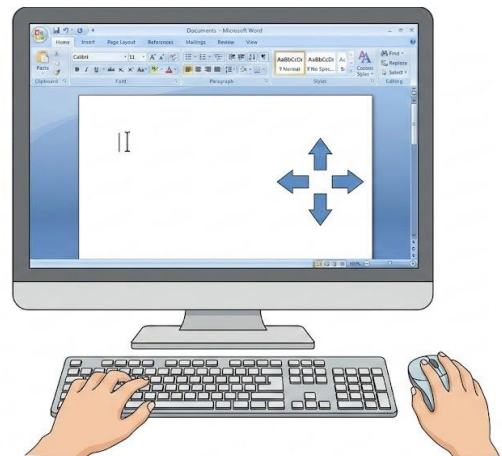
टेक्स्ट टाइप करना

- कर्सर जहाँ है वहीं टेक्स्ट प्रदर्शित होता है।
- लाइन पूरी होने पर टेक्स्ट स्वतः अगली लाइन में चला जाता है।
- नया पैराग्राफ बनाने हेतु **Enter** दबाएँ।



टेक्स्ट प्रविष्ट (एंटर) करना

- Arrow Keys या Mouse से कर्सर स्थान बदलें।
- शॉर्टकट:
 - Home – लाइन की शुरुआत
 - End – लाइन का अंत
 - Ctrl+Home – दस्तावेज का प्रारंभ
 - Ctrl+End – दस्तावेज का अंत



स्पेसबार और टैब

- शब्दों के बीच दूरी हेतु **Spacebar**।
- कॉलम बनाने हेतु **Tab Key** का प्रयोग करें।
- अतिरिक्त स्पेस का प्रयोग न करें।

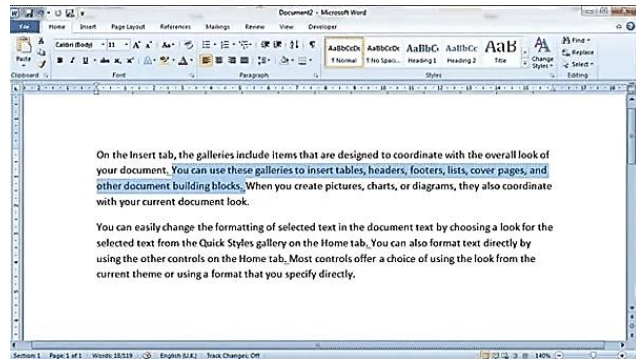


पैराग्राफ मार्कर (¶)

- ¶ चिह्न से रिटर्न, स्पेस, टैब दिखाई देते हैं।
- Show/Hide बटन से दिखाएँ या छुपाएँ।

टेक्स्ट का चयन (Highlight)

- शब्द – Double Click
- पैराग्राफ – Triple Click
- पूरा दस्तावेज – Ctrl + A



टेक्स्ट मिटाना

- **Backspace** – बाएँ का टेक्स्ट हटाता है।
- **Delete** – दाएँ का टेक्स्ट हटाता है।

टेक्स्ट प्रतिस्थापित करना

- टेक्स्ट चुनें → नया टेक्स्ट टाइप करें।
- पुराना टेक्स्ट स्वतः बदल जाएगा।

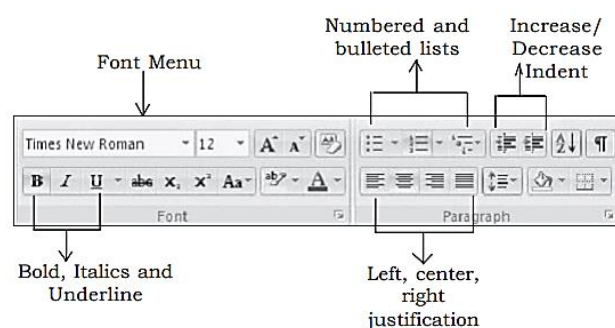
क्लिक और टाइप

- पेज के किसी भी स्थान पर डबल क्लिक कर टेक्स्ट डाल सकते हैं।

टेक्स्ट फॉर्मेट करना

मुख्य विकल्प:

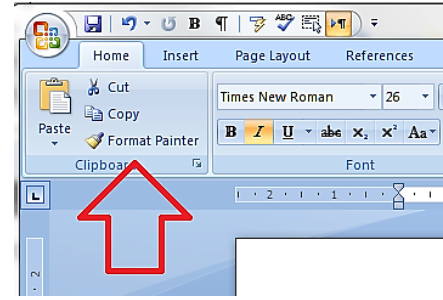
- **Font Face** – अक्षरों का प्रकार
- **Font Size** – अक्षरों का आकार (Points में)
- **Bold, Italic, Underline** – अक्षर शैली
- **Alignment** – Left, Center, Right, Justify
- **Indent Increase/Decrease**
- **Highlight Color**



• **Font Color**

Format Painter

- एक टेक्स्ट की फॉर्मेटिंग दूसरे पर लागू करता है।



पैराग्राफ फॉर्मेट करना

- Enter दबाने से नया पैराग्राफ बनता है।
- पैराग्राफ फॉर्मेट पूरे पैराग्राफ पर लागू होता है।

लाइन मार्कर्स

- Shift + Enter – नई लाइन, पर नया पैराग्राफ नहीं।

सेंटर, दायें और बायें Alignment

- टेक्स्ट को Left, Center, Right या Justify किया जा सकता है।

टेक्स्ट इंडेंट करना

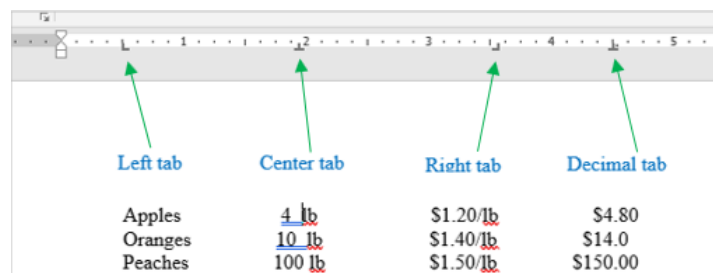
- **Indent Marker** से पैराग्राफ अंदर करें।
- **Hanging Indent** – पहली लाइन छोड़ बाकी इंडेंट।

टैब स्टॉप

1. Default Tab – 0.5 इंच

प्रकार:

- Left Tab
- Center Tab
- Right Tab
- Decimal Tab



लाइन स्पेसिंग

- Single
- 1.5 Line



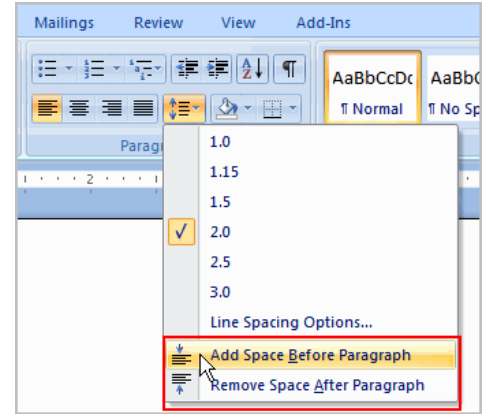
- Double

पैराग्राफ स्पेसिंग

- Before और After स्पेसिंग सेट की जा सकती है।
- पैराग्राफ हटाने पर अतिरिक्त खाली लाइन नहीं रहती।

बॉर्डर और शेडिंग

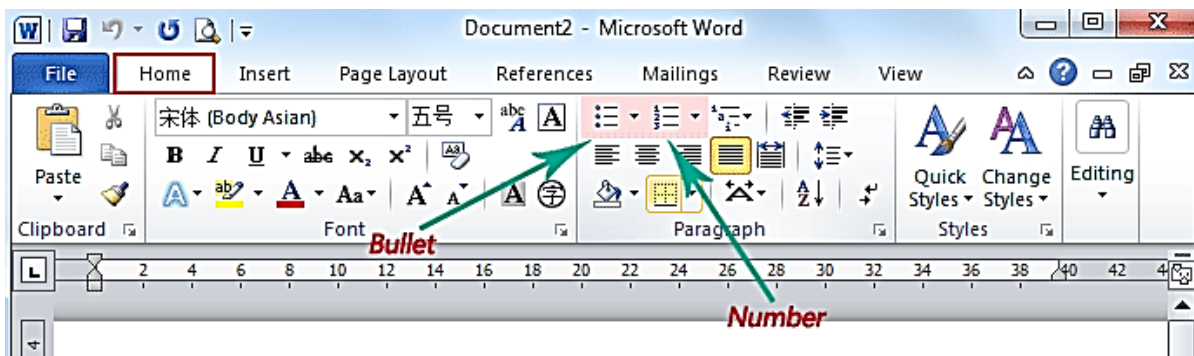
- पैराग्राफ के चारों ओर **Border** लगा सकते हैं।
- Background में **Shading** लगा सकते हैं।



बुलेट और नंबर सूची

बुलेट और नंबर सूची बनाना

- Formatting Toolbar से **Bullets** या **Numbering** चुनें।
- Enter दबाने पर अगला बुलेट स्वतः बनता है।



नेस्टेड सूची

Increase Indent से उप-सूची बनती है।

बुलेट और नंबर सूची की फॉर्मेटिंग

- Bullet का चिन्ह बदला जा सकता है।
- Number Style बदला जा सकता है।



टेक्स्ट को कॉपी और कट करना

क्लिपबोर्ड का उपयोग

- Copy या Cut टेक्स्ट **Clipboard** में संग्रहीत होता है।
- Paste द्वारा पुनः उपयोग किया जा सकता है।

टेक्स्ट मूव करना

Ctrl + X → Ctrl + V



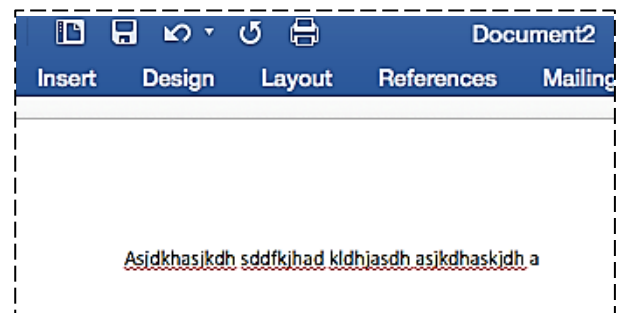
टेक्स्ट कॉपी करना

Ctrl + C → Ctrl + V



स्पेलिंग एवं व्याकरण

- गलत शब्द के नीचे लाल रेखा।
- व्याकरण त्रुटि के नीचे हरी रेखा।
- जाँच हेतु F7 दबाएँ।
- Ignore, Change, Add विकल्प उपलब्ध।



पेज की फॉर्मेटिंग करना

Page Layout Tab से Page Design।

पेज मार्जिन

- Ruler से बदला जा सकता है।
- Page Setup Dialog Box से सेट किया जा सकता है।
- पूर्वनिर्धारित Margin विकल्प उपलब्ध।



TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. टेक्स्ट फॉर्मेटिंग क्या है?

उत्तर- टेक्स्ट की शैली, आकार, रंग और Alignment बदलकर उसे आकर्षक बनाना टेक्स्ट फॉर्मेटिंग कहलाता है। इसमें Font, Size, Bold, Italic आदि विकल्प शामिल होते हैं।

प्रश्न-2. Format Painter का क्या उपयोग है?

उत्तर- Format Painter किसी टेक्स्ट की फॉर्मेटिंग को कॉपी करके दूसरे टेक्स्ट पर लागू करने के लिए उपयोग किया जाता है। इससे समान शैली जल्दी लागू की जा सकती है।

प्रश्न-3. Clipboard क्या है?

उत्तर- Clipboard एक अस्थायी मेमोरी है जहाँ Cut या Copy किया गया टेक्स्ट संग्रहीत होता है और बाद में Paste किया जा सकता है।

प्रश्न-4. Line Spacing और Paragraph Spacing में अंतर बताइए।

उत्तर- Line Spacing दो लाइनों के बीच की दूरी है, जबकि Paragraph Spacing दो पैराग्राफ के बीच की दूरी को नियंत्रित करती है।

प्रश्न-5. Spelling and Grammar जाँचने की प्रक्रिया लिखिए।

उत्तर- F7 दबाकर Spelling and Grammar जाँच सकते हैं। गलत शब्द के लिए Suggestion Box से सही शब्द चुनकर Change पर क्लिक करें।



3

इंटरनेट का परिचय

परिचय

इस अध्याय में इंटरनेट की मूल अवधारणा, उसके उपयोग, कनेक्शन के प्रकार, कार्यप्रणाली तथा ई-मेल एवं वेब ब्राउज़र का अध्ययन किया गया है। इंटरनेट सूचना आदान-प्रदान का तेज और प्रभावी माध्यम है। यह शिक्षा, शोध और संचार के लिए अत्यंत उपयोगी है।

इंटरनेट क्या है

- इंटरनेट एक **विश्वव्यापी नेटवर्क (Worldwide Network)** है।
- यह छोटे-बड़े नेटवर्क का आपसी **इंटरकनेक्शन** है।



इंटरनेट के अनुप्रयोग

- ई-मेल द्वारा संदेश भेजना
- **फाइल ट्रांसफर (Transfer)** करना
- वेब पर जानकारी **ब्राउज़** करना
- **चैट** करना
- डेटाबेस खोजना
- समाचार पढ़ना
- एनीमेशन व चित्र भेजना/प्राप्त करना
- वेबसाइट बनाना

अपने कंप्यूटर पर इंटरनेट कनेक्शन लेना

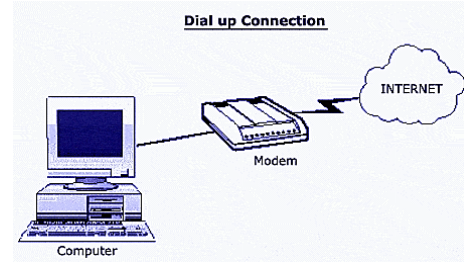
- इंटरनेट सेवा प्रदाता (**ISP**) से कनेक्शन लेना आवश्यक
- मासिक/वार्षिक शुल्क देना पड़ता है
- आवश्यकता अनुसार कनेक्शन चुनें



इंटरनेट कनेक्शन के प्रकार

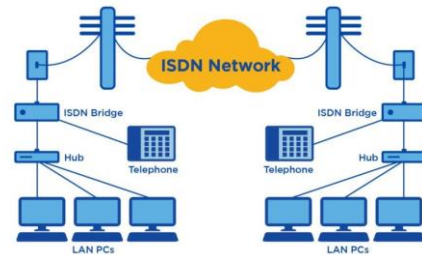
(क) डायल-अप

- टेलीफोन लाइन द्वारा कनेक्शन
- ISP का नंबर डायल करके जुड़ते हैं



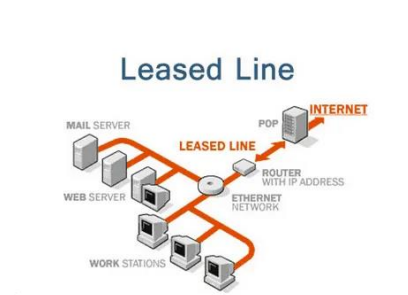
(ख) ISDN

- डिजिटल फोन लाइन आधारित
- 128 KBPS गति
- एक ही लाइन पर कॉल व डेटा संभव



(ग) लीड लाइनों द्वारा:

- स्थायी कनेक्शन
- 24x7 उपलब्ध
- अधिकतर संस्थानों में उपयोग



(घ) DSL (Digital Subscriber Line)

- हाई स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्शन
- फोन लाइन से इंटरनेट व कॉल दोनों संभव

इंटरनेट किस प्रकार कार्य करता है

- डेटा छोटे-छोटे पैकेट (Packets) में विभाजित होता है
- प्रत्येक पैकेट में हेडर (Header) जुड़ा होता है
- पैकेट अलग-अलग मार्ग से गंतव्य तक पहुँचते हैं
- गंतव्य पर पुनः Reassembled किए जाते हैं
- TCP/IP (Transmission Control Protocol/Internet Protocol) पैकेट भेजने-जाँचने का कार्य करता है

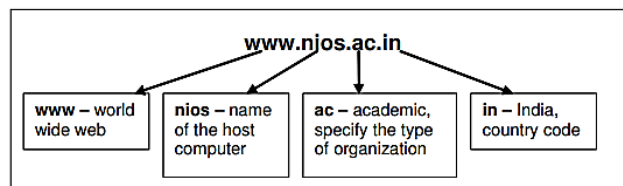


इंटरनेट में अक्सर उपयोग किए जाने वाले शब्द

1. **WWW (World Wide Web)** :वेब पेजों का संग्रह
2. **Web Server**: वह कंप्यूटर जिसमें वेब पेज संग्रहीत रहते हैं
3. **Hyperlink**: एक पेज से दूसरे पेज को जोड़ने वाला लिंक
4. **HTML (Hyper Text Markup Language)**: वेब पेज बनाने की भाषा
5. **Web Page**: HTML में लिखा इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज
6. **Website**: संबंधित वेब पेजों का समूह
7. **URL (Uniform Resource Locator)**: वेब पेज का विशिष्ट पता
8. **IP Address**: इंटरनेट पर कंप्यूटर का संख्यात्मक पता
9. **DNS (Domain Name System)**:डोमेन नाम को IP Address में बदलने की प्रणाली

इंटरनेट एड्रेस को समझना

- डोमेन नाम विशिष्ट पहचान देता है
- उदाहरण: www.nios.ac.in
- दायीं भाग संगठन/देश दर्शाता है



संगठनात्मक डोमेन

- .ac – Academic
- .com – Commercial
- .edu – Educational
- .gov – Government
- .net – Network
- .org – Organization

भौगोलिक डोमेन

- .in – India



- .au – Australia
- .jp – Japan
- .uk – United Kingdom
- .us – United States

वेब ब्राउज़र

ब्राउज़र क्या है?

- वेब पेज प्रदर्शित करने वाला सॉफ्टवेयर
- सर्वर से अनुरोध कर जानकारी लाता है

लोकप्रिय ब्राउज़र:

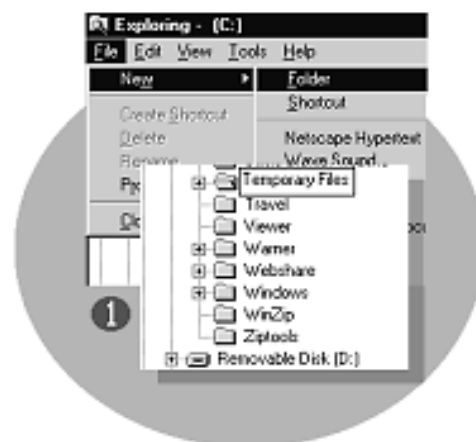
- Internet Explorer
- Netscape Navigator

वेब पेज सेव करना

- **Text File**
- **Web Page, HTML Only**
- **Web Page, Complete**
- **Web Archive (.MHT)**

फाइलें डाउनलोड करना

- अस्थायी (**Temporary Folder**) बनाएं
- डाउनलोड लिंक पर क्लिक करें
- फाइल सेव करें
- इंस्टॉलेशन पूरा करें
- अस्थायी फाइल हटाएँ



इंटरनेट सेवाएँ

सर्च इंजन (Search Engine)

- जानकारी खोजने का प्रोग्राम
- परिणामों की सूची प्रदर्शित करता है

मुख्य सर्च इंजन:

- Google
- Yahoo
- MSN Search
- Ask Jeeves
- Altavista



ई-मेल (Electronic Mail)

- इंटरनेट द्वारा संदेश भेजने की विधि
- तेज, सस्ता और 24x7 उपलब्ध

लोकप्रिय सेवाएँ:

- Yahoo Mail
- Hotmail
- Gmail
- Rediffmail

1. ई-मेल कैसे काम करता है?

- ई-मेल इंटरनेट के माध्यम से एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर तक भेजा जाता है।
- संदेश पहले Mail Server पर पहुँचता है।
- सर्वर उसे प्राप्तकर्ता के मेल सर्वर तक भेजता है।
- प्राप्तकर्ता जब लॉग-इन करता है तब संदेश डाउनलोड करता है।



- पूरी प्रक्रिया कुछ ही सेकंड में पूरी होती है।

2. संदेश भेजना और प्राप्त करना

संदेश भेजना

- इंटरनेट कनेक्शन आवश्यक है।
- संदेश **SMTP (Simple Mail Transfer Protocol)** द्वारा भेजा जाता है।
- संदेश पहले भेजने वाले के मेल सर्वर पर जाता है।
- वहाँ से प्राप्तकर्ता के मेल सर्वर पर भेजा जाता है।

संदेश प्राप्त करना

- प्राप्तकर्ता के पास ई-मेल खाता होना चाहिए।
- संदेश **POP (Post Office Protocol)** द्वारा प्राप्त किया जाता है।
- लॉग-इन करने पर संदेश इनबॉक्स में दिखाई देता है।

ई-मेल एड्रेस के घटक

- User ID
- @ चिन्ह
- Host Name (Domain Name)
- Top Level Domain (.com, .gov)

sksharma@yahoo.com

ई-मेल अकाउंट की स्थापना करना

- नया ई-मेल अकाउंट कुछ मिनटों में बनाया जा सकता है।
- अपनी व्यक्तिगत जानकारी भरनी होती है।
- एक **User ID** और **Password** चुनना होता है।
- User ID ही ई-मेल पते का भाग बन जाता है।
- User ID में अक्षर और अंक हो सकते हैं, खाली स्थान नहीं।



SMTP

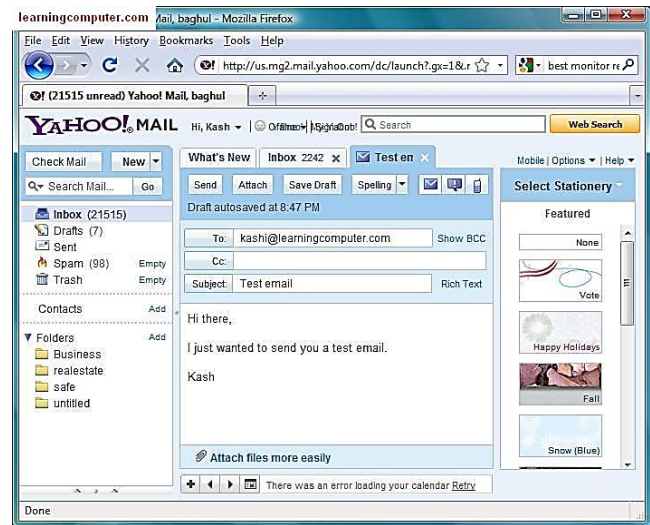
- **Simple Mail Transfer Protocol**
- ई-मेल भेजने का मानक प्रोटोकॉल

POP

- **Post Office Protocol**
- ई-मेल प्राप्त करने का प्रोटोकॉल

ई-मेल भेजना

- **Compose** बटन पर क्लिक करें।
- **To** में प्राप्तकर्ता का ई-मेल पता लिखें।
- **Subject** में विषय लिखें।
- Body में संदेश लिखें।
- **Cc** – कार्बन कॉपी हेतु।
- **Bcc** – ब्लाइंड कार्बन कॉपी हेतु।
- **Attach Files** से फाइल जोड़ें।
- अंत में **Send** पर क्लिक करें।



Telnet

- नेटवर्क प्रोटोकॉल
- सर्वर से दूरस्थ कनेक्शन स्थापित करता है



TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. इंटरनेट क्या है?

उत्तर- इंटरनेट एक विश्वव्यापी नेटवर्क है जो विभिन्न छोटे-बड़े नेटवर्क को जोड़ता है। यह सूचना, संदेश और डेटा के आदान-प्रदान का तेज माध्यम है।

प्रश्न-2. TCP/IP क्या है?

उत्तर- TCP/IP इंटरनेट का प्रमुख प्रोटोकॉल है जो डेटा को पैकेट में भेजता और जाँचता है। यह इंटरनेट पर कंप्यूटरों को आपस में जोड़ता है।

प्रश्न-3. URL क्या है?

उत्तर- URL (Uniform Resource Locator) वेब पेज का विशिष्ट पता है जो बताता है कि वह पेज इंटरनेट पर कहाँ स्थित है।

प्रश्न-4. SMTP और POP में अंतर लिखिए।

उत्तर- SMTP ई-मेल भेजने का प्रोटोकॉल है, जबकि POP ई-मेल प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाता है।

प्रश्न-5. Dial-up और Leased Line में अंतर बताइए।

उत्तर- Dial-up अस्थायी कनेक्शन है जो फोन लाइन से जुड़ता है। Leased Line स्थायी 24x7 कनेक्शन है जो अधिकतर संस्थानों में उपयोग होता है।

